

मुत्तिल आदेश संख्या २०३/६७ तथा फ़ायरंग २२१४/महानश्वर दि० १६.३.८८
द्वारा राज्य के उप्रेक्षीय अनुचितों पर अधिकार, कार्य एवं टायिल्ड में संबंधित राजकियाँ
प्रत्यायोजित की गई हैं, जिनमें आरक्षी निरोक्त तथा उससे नीचे के कार्य-
पालक बल तथा अनुचितों द्वारा तथा आन्तरिक तथा विद्रोष आरक्षी उप अनुचितों को
राजकियाँ ऐं उत्तिव्याचित हो रही हैं। इन विन्दुओं का विस्तृत एवं मुख्य विवेदन के बाद
मुलिस आदेश संख्या २०३/६७ के अंडिका फ़ायरंग में निम्न प्रकार से संशोधन किया जाता है:-
तथा आन्तरण अधिकार इ.न.नि. अपने खेत्र के आरक्षी निरोक्त तथा उससे नीचे के कार्य-
पालक बल तथा अनुचितों द्वारा तथा आन्तरण आसन की नीति के मुताबिक अपने खेत्र
के अन्दर अन्तर विभीषण। Inter Range । आधार पर कर सकेंगे। अर्थात् तथा आन्त-
रण एक जिला में दूसरे जिला में नहीं किया जायेगा, बल्कि एक खेत्र। Range ।
में दूसरे खेत्र में किया जायेगा और जिला आवंटन का कार्य संबंधित खेत्रीय आरक्षी उप-
महानिरोक्त द्वारा किया जायेगा।

ऐसे स्थानान्तरित पदाधिकारियों / आरप्सियों को प्रक्षेत्र कार्यालय में योगदान को आश्वायकता नहीं रहेगी , बल्कि उन्हें ₹० आरप्सि उप महानिरो एक कार्यालय में योगदान देना होगा ।

मुलिस हस्तक नियम 775 में उल्लेखित ऐताय आरक्षी उप महानिरीक की स्थानान्तरणा आकृति पथा बनो रहेगो ।

हर स्थानान्तरण को सुना मध्याह्न को दी जाएगी ।

३०/- ॥ अरुण कुमार चौधरी
महानिटेक संस्था राजको महानिरोधक लिहार

१४१

गहानिदेशाक एवं आराधी गहानिरोधक का कार्यालय बिहार पटना ।
२-३-१-८३

दृढ़ला दिनांक Q मार्च, १

प्रतिलिपि

- १- मुख्य हित, विहार, पटना ।
 - २- संविव, मुहूर्मात्रम् निकाय, विहार, पटना
 - ३- चित्त सभी व्यानिकोऽक / सभी आरथि महानिरीक क
 - ४- सभी आरथि इति व्यानिरीक
 - ५- सभी आरथि अधीक्ष / हनी लसालेट ।
 - ६- प्राचार्य, शुद्धि एवं द्रष्टिपण महाविद्यालय छारीबाज / ददमा
 - ७- प्राचार्य, भारथी द्रष्टिपण विद्यालय, नाथनगर, भागलपुर
 - ८- सभी आरथि व्यानिरीक के तहायक
 - ९- सभी प्राचार्या व्याधिकारी, महानिकोऽक स्वं आरथि महानिरीक का कायर्ला
 - १०- पुलिस गजट एवं द्रकारानर्थ को सचनार्थ स्वं आव्यक्त क्रियार्थ ऐसित ।

आरधी उप महानिरीदि कम्लेष्टलय बिहार, बटना

५ एक सी

三〇四〇 -